सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार हुई सख्त

कानपुर, बुधवार, 25 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 174, पृष्ठः 8+4

इनसाइड डेढ़ साल बाद बेटे के कपड़े देखकर बदहवास हो गई मा... » Pg 04

» Pg 12

इटावा में कथावाचकों की पिटाई के बाद अखिलेश यादव ने लिया बड़ा फैसला

कथावाचकों को बुलाकर किया सम्मानित, दिए 21-21 हजार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचकों पर जाति पूछकर हमले के मामले ने तूल पकड़ लिया है। कथावाचक ने आरोप लगाया कि यादव जाति बताने पर उनकी चोटी काट दी गई और मारपीट की गई। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें लखनऊ बुलाया, ढोलक गिफ्ट की और 21-21 हजार रुपये देकर सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचकों की पिटाई के बाद अखिलेश यादव ने सभी को लखनऊ बुलाकर सम्मानित किया है। अखिलेश यादव ने कथावाचक समेत उनकी टीम में शामिल तीन लोगों को ऑफिस बुलाया, मीडिया के सामने सभी को सम्मानित किया और उनकी कथा भी सुनी और 21-21 हजार रुपये भी दिए और 51-51 हजार रुपए देने का ऐलान किया है। इटावा में जाति पूछकर कथावाचकों की पिटाई की गई थी, उनके साथ अभद्रता भी हुई थी। कथावाचक और एक अन्य की चोटी काटी गई और सिर मुंडवा दिया गया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद हड़कंप मच गया था। पुलिस ने चार आरोपियों के गिरफ्तारी की बात कही।

कथावाचक ने लगाये थे आरोप : कथावाचक का आरोप था कि पहले उन्हें कथा करने के लिए बुलाया गया और फिर रात में अचानक कुछ लोगों ने हमसे जाति पूछी, हमने बताया कि हम यादव हैं तो हमारे साथ मारपीट की और कहा कि ब्राह्मणों के गांव में आकर कथा करने की हिम्मत कैसे हुई ? इसके बाद हमारे सामान रख लिए, जिसमें ढोल, हारमोनियम शामिल था। इसके साथ गाड़ी की हवा निकाल दी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हमसे वहां मौजूद सभी लोगों के पैर छूने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद हम वहां से किसी तरह निकले। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि अब अखिलेश यादव ने कथावाचक और उनके सहयोगियों को सम्मानित किया है।

भाजपा पर बोला हमला

अखिलेश यादव ने कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि कथा कहने पर एक वर्ग विशेष का ही अधिकार है तो वो इसके लिए भी कानून बनाकर दिखा दें, जिस दिन पीडीए समाज ने अपनी कथा अलग से कहना शुरू कर दी, उस दिन इन परम्परागत शक्तियों का साम्राज्य ढह जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज में पीडीए समाज को हेय दृष्टि से देखा जाता है। देश के राष्ट्रपति भी हेय दृष्टि का सामना कर चुके हैं।

कथावाचक मामला

पूजा का तरीका गलत था, खाने पर बुलाया तो पकड़ा हाथ

इटावा । 'महात्मा जी ने भागवत कथा कहने के लिए बुलाया था। कथावाचक ने पूजा करवाई, उनका तरीका गलत था। उन्हें खाने पर बुलाया तो हाथ पकड़ लिया। बच्चों को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने माफी मंगवाई। हम चाहते हैं कि दोनों को सजा मिले। इनके आधार कार्ड फर्जी हैं। ये दोनों फर्जी कथा व्यास हैं। इन्होंने मेरा लाखों का नुकसान कर दिया'।

ये आरोप बकेवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव की उस परिवार की महिला रेनू तिवारी का है, जिनके घर यादव कथा वाचक मुकुट मणि अपने सहयोगियों के साथ कथा कहने पहुंचे थे। मामले ने अब सियासी रंग ले लिया है। यह विवाद यादव बनाम ब्राह्मण हो गया है। रेनू और उनके पति ने कथा वाचक व उनके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाए। रेनू तिवारी ने कहा कि मेरी भागवत खंडित हो गई।

सुहागरात पर दुल्हन ने दी दूल्हे को वार्निंग, मैं अमन की अमानत हूं

'मुझे टच किया तो 35 टुकड़ों में मिलोगे'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में एक दुल्हन ने सुहागरात पर दूल्हे के साथ कुछ ऐसा किया कि उसे भी राजा रघुवंशी मर्डर केस याद आ गया। सुहागरात में दुल्हन ने अपने दूल्हे को चाकू दिखाकर धमकी दी कि अगर उसने उसे छुआ तो उसके शरीर के 35 टुकड़े मिलेंगे। यही नहीं, वह अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद करने लगी। दुल्हन अगली रात दूल्हे के घर की दीवार लांघकर रफूचक्कर हो गई।

प्रयागराज के नैनी इलाके में रहने वाले कप्तान निषाद की शादी 29 अप्रैल को करछना डीहा के रहने वाले लक्ष्मी नारायण निषाद की बेटी सितारा से हुई थी, लेकिन शादी तक सब कुछ ठीक ठाक रहा। लेकिन सुहागरात पर जो हुआ, उसने तो दूल्हे कप्तान को हैरान कर दिया.

'छुआ तो 35 टुकड़ों में मिलोगे': दूल्हे कप्तान निषाद का कहना है कि उस रात सितारा ने चाकू दिखाते हुए धमकी दी कि उसे छूना नहीं, छुआ तो 35 टुकड़े में हो जाओगे. मैं किसी और की अमानत हूं। इसके बाद सितारा पलंग पर सो गई और कप्तान सोफे में। सितारा चाकू दिखाकर 3 रात धमकियां देती रही। कप्तान के पिता राम आसरे बताते हैं कि हमने प्यार से बहू को उसके कमरे से बुलाया और पूछा कि क्या हो गया। तब उसने साफ-साफ कह दिया कि मैं तो अमन से प्यार करती हूं. उसी के साथ रहना चाहती हूं. वही मेरे साथ सुहागरात मना सकता है, कोई और नहीं।

दुल्हन ने बताई ऐसी बात

पलट गई पूरी कहानी

दुल्हन सामने आई और उसने ऐसा बयान दिया जिससे पूरी कहानी ही पलट गई। बताया कि वो घर से बॉयफ्रेंड के साथ नहीं भागी बल्कि, अपने मायके चली गई थी। क्योंकि पति की पहले से ही एक बीवी और बेटी है। सुहागरात को कप्तान शराब के नशे में चूर था। तब उसने मुझे अपने पहले अफेयर के बारे में बताया. फिर एक लड़की की फोटो दिखाकर कहा कि ये मेरी बीवी है और हमारी 7 साल की एक बेटी भी है। मैं तुम्हारे साथ नहीं रहूंगा।

ग्रीन पार्क स्टेडियम का होगा कायाकल्प: सांसद रमेश अवस्थी

» ग्रीन पार्क स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए हुई महत्वपूर्ण बैठक

» डी.पी.आर. जल्द से जल्द बनाकर प्रस्तुत करें : मंडलायुक्त

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशानुसार ग्रीन पार्क स्टेडियम के जीर्णोद्धार हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक सांसद रमेश अवस्थी की अध्यक्षता में तथा मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पाण्डियन की उपस्थिति में ग्रीन पार्क स्टेडियम में सम्पन्न हुई।सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि ग्रीन पार्क स्टेडियम का कायाकल्प मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह न केवल कानपुर बल्कि पूरे देश की खेल विरासत है। उन्होंने स्टेडियम की दर्शक क्षमता बढ़ाने, ड्रेनेज सिस्टम के उन्नयन, मीडिया सेंटर के रिनोवेशन, मल्टीलेवल पार्किंग, बुजुर्ग एवं दिव्यांगजन दर्शकों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था पर ज़ोर दिया।उन्होंने सुझाव दिया कि स्टेडियम को ऑल वेदर स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाए, ताकि वर्ष भर खेल गतिविधियाँ निरंतर जारी रह सकें।

एक नोडल अधिकारी नामित कर खेल विभाग, यू.पी.सी.ए. एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर मंडलायुक्त को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, निर्माण संस्था के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाने की बात कही गई। मंडलायुक्त पाण्डियन ने स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित करने हेतु उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू.पी.सी.ए.) को निर्देशित किया कि शीघ्र डी.पी.आर. तैयार कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यू.पी.सी.ए. आर्किटेक्ट के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करें कि प्रस्तावित स्टेडियम भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ तैयार हो।

बैठक में बिजली आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था, जनरेटर सेट को केवल बैकअप के रूप में रखने, क्लब हाउस और गेस्ट हाउस जैसी राजस्व-सृजन सुविधाओं को भी शामिल करने की बातें रखी गईं, ताकि स्टेडियम की देखरेख व रिनोवेशन की व्यवस्था निरंतर बनी रहे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार, यू.पी.सी.ए. के सेक्रेटरी अरविंद श्रीवास्तव, सुरजीत श्रीवास्तव, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी भानु प्रसाद सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

आबूधाबी-दुबई में फंसे शहर के 50 परिवार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ईरान और इस्राइल युद्ध के चलते मध्य पूर्व के कई देशों समेत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। इसके चलते गर्मियों की छुट्टियां मनाने गए शहरवासी वहां फंस गए हैं। आबूधाबी और दुबई में शहर के करीब 50 पर्यटक परिवार फंसे हैं। इन दोनों शहरों से लखनऊ के लिए 24 और 25 जून की सभी फ्लाइट कैंसल हो गई हैं। अब इन लोगों को 26 जून को फ्लाइट लेनी है। सभी उम्मीद कर रहे हैं कि अब फ्लाइट कैंसल न हो।

ट्रैवल एजेंसी संचालक लकी अरोड़ा ने बताया कि हर साल गर्मियों की छुट्टियों में शहर से करीब 150 परिवार आबूधाबी और दुबई घूमने जाते हैं। करीब 50 परिवार गर्मियों की छुट्टियों में आबूधाबी गए थे। कतर में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान के मिसाइल हमले के बाद 23 जून की रात से मध्य पूर्व के देशों ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। इसके बाद से लखनऊ से इन दोनों शहरों के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट अब तक दो बार कैंसल हो चुकी है। ऐसे में अब 26 जून को अगर फ्लाइट मिल जाती है, तो कोई दिक्कत वाली बात नहीं होगी।

26 जून को बुक हुई है फ्लाइट

इसके बाद भी अगर फ्लाइट रद्द होती है, तो पर्यटकों के लिए मुश्किल हो जाएगी। घूमने-फिरने के लिए लोगों का एक तय बजट होता है। ऐसे में समय बढ़ने पर ज्यादा खर्च वहन करना भी मुश्किल है। एक दिन का होटल का किराया कम से कम 18 हजार रुपये के करीब पड़ रहा है। उस पर खाने-पीने का खर्च अलग होता है। पांडु नगर निवासी अमरजीत सिंह पम्मे ने बताया कि उनके कुछ रिश्तेदार जून की शुरुआत में दुबई में घूमने के लिए गए थे और उनकी फ्लाइट 25 जून को थी, जो कैंसल हो गई है। अब 26 जून को फ्लाइट बुक हुई है।

मैं दुबई में हूं। मोहर्रम के मौके पर कानपुर आ रही थी, लेकिन फ्लाइट कैंसल हो गई है। उम्मीद है कि जल्द ही फ्लाइट शुरू हो जाएंगी। हालांकि यहां हालात तो ठीक हैं, लेकिन फ्लाइट बंद होने से स्थिति कुछ साफ नहीं है। उम्मीद है कि जल्द से जल्द सब ठीक हो जाए। -

तैय्यबा जाफरी, दादा मियां चौराहा

दुबई में हूं। 24 जून को लखनऊ के लिए फ्लाइट बुक थी, जो कैंसल हो गई। मैंने फिर एक दिन और रहने की सोची और 26 जून की फ्लाइट बुक की है। यहां पर ईरान और इस्राइल युद्ध का कोई असर नहीं है। सब अच्छा चल रहा है। फ्लाइट कैंसल होने से जरूर कुछ लोग घबराए हुए हैं। - अशोक नरूला, पांडु नगर

मिसाइलों की आवाज करती है विचलित: मौलाना जीशान

ईरान के कुम शहर में तो शांति है, लेकिन रात के समय दूर से आने वाली तेज आवाजें मन को विचलित कर देती हैं। यहां दुकानें खुल रही हैं, लोग खरीदारी कर रहे हैं। बिना वजह आवाजाही पर मनाही है। ये बातें ईरान से शहर के ग्वालटोली निवासी मौलाना जीशान ने फोन पर बताईं। वह इस्लामिक अध्ययन के लिए ईरान गए हैं।

परिवार के साथ ईरान के कुम शहर में रह रहे जीशान ने बताया कि कुम में भारतीय एक-दूसरे का सहारा बने हैं। यहां हालात ठीक हैं। मोहर्रम

पर 24 जून को उनकी फ्लाइट थी, जो कैंसल हो गई है। उन्होंने बताया कि बाकी शहरों से यहां हालात ठीक है, लेकिन मिसाइलों की तेज आवाजें कानों को थर्रा देती हैं। रात में कभी-कभी तेज रोशनी चमकती है। सभी से घरों में रहने की अपील की गई है। जरूरत न होने पर लोग घरों से नहीं निकल रहे हैं। तेहरान में हमले हो रहे हैं, जहां से कुम शहर करीब 156 किलोमीटर दूर है।

हाथ बस दुआओं में उठते हैं, अल्लाह खैर करे

शहर के कुख्यात शाहिद पिच्चा को पुलिस ने दिया 'गच्चा'

» 43 मुकदमे, 25 हजार का इनाम, पुलिस की गोली से काम तमाम

» मुठभेड़ के दौरान पुलिस को शाहिद के पास से देशी तमंचा और जिंदा कारतूस मिले

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में आतंक का पर्याय रह चुके शाहिद पिच्चा पुलिस से गच्चा खा ही गया। पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस को शाहिद के पास से एक देशी तमंचा और जिंदा कारतूस मिले है। शाहिद के ऊपर कानपुर के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर समेत 43 मुकदमे दर्ज है। शाहिद बीएनएस में नामजद वांछित और 25 हजार का इनामिया हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह के मुताबिक सर्विलांस व मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चमनगंज थाना क्षेत्र के सईदाबाद स्थित उसके घर पर देर रात दबिश दी थी। पुलिस के आने की खबर पाकर शाहिद घर के पीछे के रास्ते से भाग निकला था। पुलिस ने पैदल और गाड़ियों से उसका पीछा किया। डिप्टी पड़ाव के पास पुलिस ने शाहिद को घेर लिया और रुकने की चेतावनी दी। पुलिस से घिरा पाकर शाहिद ने देशी तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्यवाही करते हुए गोली चलाई, जिससे शाहिद के दाहिने पैर में गोली लगी और वो घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसको गिरफ्तार कर लिया और घायल अवस्था में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार ने बताया कि यह शातिर अपराधी है, इस पर लूट और मर्डर जैसे मुकदमे दर्ज है, जिसमें यह फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि पहले यह मुंबई में छुपा हुआ था।

पुलिस टीम एक महीने से इसकी तलाश कर रही थी। जब यह मुंबई से लौटा तब से अपने घर में ही रह रहा था। पुलिस को लगातार इसकी सूचना मिल रही थी। रात करीब तीन बजे पुलिस ने दबिश दी जिसके बाद यह पुलिस पर फायर करते हुए भागने लगा था। जिसके बाद मुठभेड़ के दौरान इसको गिरफ्तार किया गया है।

दलालों के चलते नहीं लग रहा ट्रांसफर, जनता गर्मी से परेशान

» बिजली ट्रिपिंग से जूझ रही 2 हजार की आबादी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। केस्को में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की मिली भगत से कई माफियाओ का खेल चल रहा है। मामला 89/140 के हाते का है।जहां जनता केस्को के भ्रष्टाचार और भू माफियाओं के अत्याचार से परेशान है।इस हाते में लग भग 2000 के आस पास लोग रहते हैं। जो पुराने लोग हैं उनका कहना है की 2006 मे यहां 400 के वी ए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था।जिसपर आज अतिरिक्त लोड है।कारण यहां बहुमंजिला इमारतें बनती गई जिसमे ट्रांसफार्मर लगाना चाहिये था।

मगर राजस्व को नुक्सान पहुंचाहते हुए घूस लेकर मीटर लगा दिये केस्को अधिकारियों ने ।इसकी शिकायत की गई तो 2024-2025 बिज़नेस प्लान के अंतर्गत एक 250 के वी ए का ट्रांसफार्मर मिला ।जिसका लगने का जब नंबर आया तो भू माफिया दीपक अग्रवाल और फरीद कमाल ने नगर निगम की सड़क को अपना बता दिया और ट्रांसफार्मर लगने नही दिया ।जबकी वहां पहले से कानपुर बिजली विभाग का बी पैनल और खंबा मौजूद है।

हाते के रहने वाले मोहम्मद सैफ ने बताया की उनके पास केसको अधिकारियों के लिखित एवं कॉल रिकॉर्डिंग है की किस प्रकार ट्रांसफार्मर लगाते लगाते सुर बदल लिये और बोलने लगे वहां विरोध है। इसलिए ट्रांसफार्मर नहीं लग पाएगा ।जबकी 2000 जनता ट्रांसफार्मर लगवाना चाहती है और केवल दो भू माफिया इसका विरोध कर रहे हैं जो की कानूनी रूप से भी सही नहीं है। केस्को के अधिकारियों ने ये ट्रांसफार्मर रुकवा दिया है ।जिसका कॉल रिकॉर्ड भी है ।सवाल यह है कि अखिर किसके कहने पे रोका गया ट्रांसफार्मर ।आखिर कब लगेगा ट्रांसफार्मर ?केस्को के भ्रष्टाचार का आखिर हाते की जनता क्यूँ करे भुगतान ?क्या बिना बिजली रहना होगा जो जनता का मूल

केस्को

कार्यालय
अधिशाषी अभियन्ता–प्रथम
(11 के0वी0 एवं एल0टी0 नेटर्वक)
कल्यानपुर, केस्को, कानपुर

आ0 वि0 यो0 न0–1 कल्यानपुर
मो0 9151895701

पत्रांक: 1202EE/11kv & LT(N/W)/2025 दिनांक: 13/6/2025

आई0जी0आर0एस0
संदर्भ सं0 40016425037388

जिलाधिकारी
कानपुर नगर

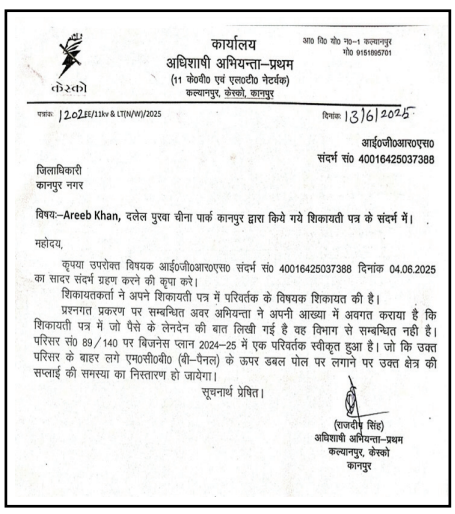

विषय:–Areeb Khan, दलेल पुरवा चीना पार्क कानपुर द्वारा किये गये शिकायती पत्र के संदर्भ में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आई0जी0आर0एस0 संदर्भ सं0 40016425037388 दिनांक 04.06.2025 का सादर संदर्भ ग्रहण करने की कृपा करे।

शिकायतकर्ता ने अपने शिकायती पत्र में परिवर्तक के विषयक शिकायत की है।

प्रश्नगत प्रकरण पर सम्बन्धित अवर अभियन्ता ने अपनी आख्या में अवगत कराया है कि शिकायती पत्र में जो पैसे के लेनदेन की बात लिखी गई है वह विभाग से सम्बन्धित नही है। परिसर सं0 89/140 पर बिजनेस प्लान 2024–25 में एक परिवर्तक स्वीकृत हुआ है। जो कि उक्त परिसर के बाहर लगे एम0सी0बी0 (बी–पैनल) के ऊपर डबल पोल पर लगाने पर उक्त क्षेत्र की सप्लाई की समस्या का निस्तारण हो जायेगा।

सूचनार्थ प्रेषित।

(राजदीप सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता–प्रथम
कल्यानपुर, केस्को
कानपुर

अधिकार है ।हाते की जनता ये भी बता रही है दीपक अग्रवाल और फरीद कमाल केस्को के बड़े दलालों में से हैं। केस्को इनकी नही सुनेगी तो किसकी सुनेगी। हाते की जनता का ये कहना है यदि एक हफ्ते मे ट्रांसफार्मर तय स्थान पर नही लगा तो डीएम, सीएम या अदालत जहां भी जाना पड़े जायेंगे और सबके काले कारनामे उजागर करेंगे।

डेढ़ साल बाद अपने बेटे के कपड़े देखकर बदहवास हो गई मां

कुशाग्र हत्याकांड

- कुशाग्र हत्याकांड में कुशाग्र की मां की तबियत हुई खराब
- इन्हीं कपड़ों को पहनकर आखिरी बार घर से गया था कुशाग्र
- आज कुशाग्र के कपड़ो, मोबाइल, बैग, हेलमेट की पहचान की मां न

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जेल से आई रचिता को देख कोर्ट में गवाही देने पहुंची कुशाग्र की मां ने गुहार लगाई। मां ने कहा कि रुपये लेने थे तो ले लेती, बेटे को क्यों मार डाला।रुपये लेने थे तो ले लेती, बेटे को क्यों मार डाला। यह शब्द आंखों में आंसू और दिल में बेटे की मौत का गम लेकर सैकड़ों किलोमीटर दूर सूरत से कोर्ट में गवाही देने पहुंची कुशाग्र की मां सोनिया कानोडिया के मुंह से जेल से कोर्ट लाई गई मुकदमे की मुख्य अभियुक्त रचिता वत्स को देखकर निकल पड़े।

गवाही के दौरान कुशाग्र के आखिरी बार पहने हुए कपड़े व सामान देखकर सोनिया बदहवास सी हो गईं। फूट-फूटकर रोने लगीं। तबीयत बिगड़ने पर कुछ देर के लिए गवाही भी रोकनी पड़ी।

हालांकि दोपहर बाद गवाही पूरी हो गई और जिरह शुरू हो गई। बुधवार को भी जिरह जारी रहेगी। कपड़ा कारोबारी मनीष कानोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्टूबर 2023 को अपहरण के बाद हत्या हो गई थी। रायपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। मुकदमे में कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता आरोपी हैं। तीनों जेल में ही बंद हैं।तीनों को मंगलवार को कोर्ट लाया गया था। कुशाग्र की हत्या के बाद माता-पिता सूरत में ही रहने लगे थे। मंगलवार को गवाही देने के लिए कुशाग्र की मां सोनिया पिता के साथ कोर्ट पहुंची। जेल से लाए गए तीनों अभियुक्तों को देखकर आग बबूला हो उठीं। रचिता को देखकर बोली, रुपये ले लेती बेटे को क्यों मार दिया।

गवाही के दौरान मालखाने से कुशाग्र के कपड़े जो उसने हत्या से पहले पहने थे, हेलमेट, मोबाइल, स्कूली बैग और पानी की बोतल आदि लाई गई थी। इन्हें सोनिया ने पहचाना। कपड़ों को सीने से लगाकर सोनिया फूटकर रोने लगीं और बदहवास हो गईं। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के कारण कुछ देर के लिए गवाही रोकनी पड़ी।

दोपहर बाद गवाही पूरी हो गई। इसके बाद प्रभात के अधिवक्ता ओम नारायण द्विवेदी ने सोनिया से जिरह की। कई तरह के घुमावदार प्रश्न किए गए जिनका सोनिया ने डटकर जवाब दिया। समय खत्म होने के कारण जिरह पूरी नहीं हो सकी। शेष जिरह बुधवार को होगी।

दीनू के साथी अपराधियों के घर की होगी कुर्की

भाई और भतीजे की तलाश में पुलिस ने मारी दबिश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दीनू के भाई संजय और भतीजे मनु की तलाश में टीम उनके नवाबगंज स्थित घर पहुंची। भारी पुलिस बल को देखकर लोग छज्जों से झांकने लगे। पुलिस कर्मियों ने घर की तलाशी, लेकिन उन्हें वांछित आरोपी नहीं मिले।

कानपुर जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय के साथियों व भाई और भतीजे की तलाश में पुलिस ने रविवार को तीन स्थानों पर दबिश दी है। हालांकि तीनों ही जगह आरोपी नहीं मिले। पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। अब पुलिस कुर्की की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। मनोज गुप्ता की ओर से बिठूर थाने में दर्ज जमीन कब्जाने के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश की कार्रवाई की गई।

शनिवार की तरह पुलिस टीमों ने मंगलवार को भी आरोपियों के घर और संभावित ठिकानों पर दबिश दी। सबसे पहले पुलिस टीम दीनू के साथी रचित पाठक की तलाश में बिठूर के मैनावती मार्ग स्थित सुखधाम अपार्टमेंट पहुंची जहां उसे रचित नहीं मिला। इसी तरह अमन शुक्ला की तलाश में उसके श्यामनगर स्थित आवास पर दबिश दी। यहां भी टीम को आरोपी नहीं मिला।

वहीं, दीनू के भाई संजय और भतीजे मनु की तलाश में टीम उनके नवाबगंज स्थित घर पहुंची। भारी पुलिस बल को देखकर लोग छज्जों से झांकने लगे। पुलिस कर्मियों ने घर की तलाशी, लेकिन उन्हें वांछित आरोपी नहीं मिले। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि दीनू के साथी आरोपियों के खिलाफ जल्द कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

दुनिया के विपरीत भारत में बेटा अनुराग

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं।

ट्रंप के दावों के बावजूद रुकेगा नहीं ईरान

पुष्परंजन

क्या ट्रम्प के 'सीज़ फ़ायर' बोल भर देने से शांति हो जायेगी? इस सच से अमेरिकन्स वाकिफ हैं कि अकेला ईरान है, जिसके 'हमास', 'हिज्बुल्लाह', 'इस्लामिक जिहाद' जैसे प्रॉक्सी मिलिटेंट्स, पूरे मिडल ईस्ट में पसरे हुए हैं।आप ईरान के ठिकानों पर कोऑर्डिनेटेड बमबारी करें, फिर घोषणा कर दें, कि इस्राइल-ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह अमेरिकी दादागिरी का दीगर रूप है। खुद की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, 'ट्रुथ सोशल' पर डोनाल्ड ट्रम्प बोले, 'यदि ईरान के पास परमाणु हथियार है, तो आप शांति नहीं पा सकते।' ऐसे बोल-वचन इसलिए, ताकि पश्चिमी देश खुश हो जाएं। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई अपरिहार्य और नैतिक रूप से उचित साबित हो। ये वही ट्रम्प हैं, जो बात-बात पर परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में दावत देते हैं। लेकिन, तोताचश्म पाकिस्तान ने बयान दिया, कि हम ईरान के साथ खड़े हैं।

अगर, परमाणु क्षमता का आकांक्षी ईरान शांति का दुश्मन है, तो अमेरिका के पास लगभग 5,244 परमाणु हथियार हैं, जो कि इस्राइल के अघोषित शस्त्रागार में अनुमानित संख्या से दस गुना अधिक हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु अधिकरण (आईएइए) खुफिया के अनुसार, 'ईरान ने अभी तक परमाणु हथियार नहीं बनाया है।' ईरान परमाणु हथियारों के अप्रसार (एनपीटी) पर संधि का हस्ताक्षरकर्ता बना हुआ है। इजरायल नहीं है।अमेरिका के पास 100 से अधिक देशों में 800 से अधिक सैन्य अड्डे हैं। इसकी तुलना चीन से करें, जो पड़ोसी क्षेत्रों में केवल एक विदेशी सैन्य अड्डे रखता है, या रूस, जो लगभग बीस सैन्य अड्डों का प्रबंधन करता है। यह वैश्विक स्थिरता का संकेत नहीं है। यह एक साम्राज्यवादी ढब है। पूरी दुनिया का चौधरी बने रहने की लिप्सा। विदेश संबंध परिषद के अनुसार, 'इस समय मध्य पूर्व में कम से कम 19 अमेरिकी मिलिटरी बेस हैं। इनमें से आठ स्थायी सैन्य ठिकाने हैं।' बहरीन, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में बनाए अमेरिकी सैन्य ठिकाने हटवाने की हिम्मत वहां की कठपुतली सरकारें नहीं करतीं। अमेरिका ने पूरे मिडल ईस्ट में लगभग 40,000 सैनिक तैनात किये हैं।

क़तर में 1996 में निर्मित अल उदीद एयरबेस मध्य पूर्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा है। यह ईरान द्वारा लक्षित स्थलों में से एक था। इस बेस पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड का क्षेत्रीय मुख्यालय है, जहां 11,000 से अधिक अमेरिकी और गठबंधन सेना के सदस्य रहते हैं। यहां जो कुछ ईरानी हमला हुआ, ट्रम्प ने उसका मखौल उड़ाया। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े की तैनाती है, जिसमें लगभग 9,000 सैन्य कर्मी और नागरिक कर्मचारी शामिल हैं। इराक में लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिक हैं। 3 जनवरी, 2020 को ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के प्रतिशोध में अल-असद और एरबिल अमेरिकी बेस को ईरान ने निशाना बनाया था।

वर्ष 2023 से ईरान समर्थित हौथी आतंकवादी समूह लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। इराक में तेहरान समर्थित शिया मिलिशिया, हिजबुल्लाह अलग से एक्टिव हैं। तो क्या ट्रम्प के 'सीज़ फ़ायर' बोल भर देने से बंदूकें गरजनी बंद हो जायेंगी? इस सच से अमेरिकन्स और इस्राइली वाकिफ हैं कि अकेला ईरान है, जिसके 'हमास', 'हिज्बुल्लाह', 'इस्लामिक जिहाद' जैसे प्रॉक्सी मिलिटेंट्स, पूरे मिडल ईस्ट में पसरे हुए हैं। सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख 'स्विंग स्टेट' कूटनीतिक समाधान की कोशिश में हैं। सऊदी अरब, मिस्र, इराक, जॉर्डन सहित अधिकांश अरब राज्यों ने ईरान पर इस्राइल के हमलों की निंदा की है, ताकि तेहरान को इन पर भरोसा हो। ट्रम्प ने ऐसी प्रतिक्रिया सोची नहीं थी। युद्धविराम की तत्काल घोषणा की सबसे बड़ी वजह यह भी है।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के प्रतिनिधि हुसैन शरीयतमादारी ने कट्टरपंथी कायहान अखबार से कहा, 'अब हमारी बारी है। हम बिना समय बर्बाद किए।

कड़वाहट से मुक्ति के लिये सम्मानजनक अलगाव

नो फाल्ट तलाक

डा0 सुधीर कुमार

शिल्पा बनाम वरुण श्रीनिवासन (2023) के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत, 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' के आधार पर सीधे तलाक को मंजूरी दी थी। इसे 'नो-फॉल्ट' सिद्धांत की दिशा में एक बड़ा और प्रगतिशील कदम माना गया।आज के बदलते सामाजिक परिवेश में, जहां रिश्ते जटिल होते जा रहे हैं, तलाक एक ऐसी सच्चाई है जिससे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। भारत में तलाक की प्रक्रिया अक्सर लंबी, तनावपूर्ण और आरोप-प्रत्यारोप से भरी होती है।

यह न केवल पति-पत्नी बल्कि उनके बच्चों और परिवारों के लिए भी भावनात्मक और आर्थिक बोझ बन जाती है। पारंपरिक तलाक कानूनों में, तलाक तभी दिया जाता है जब एक पक्ष दूसरे पक्ष पर 'गलती' (जैसे व्यभिचार, क्रूरता, परित्याग) साबित करे। इसमें अक्सर एक लंबी और थकाऊ कानूनी लड़ाई शामिल होती है, जिसमें दोनों पक्षों को एक-दूसरे पर आरोप लगाने पड़ते हैं, जिससे कड़वाहट और दुश्मनी बढ़ती है।इसके विपरीत, 'नो-फॉल्ट' तलाक में, तलाक के लिए किसी भी पक्ष को दूसरे की गलती साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। उन्हें बेवफाई, क्रूरता या परित्याग जैसे विशिष्ट कारणों को साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि यदि विवाह अपरिवर्तनीय रूप से टूट गया है और सुलह की कोई संभावना नहीं है, तो दोनों पक्षों को सम्मानपूर्वक अलग होने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसका मुख्य आधार 'अपरिवर्तनीय रूप से टूट चुका विवाह' होता है। ऐसे में, विकसित

देशों के अनुभवों से सीखना महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां 'नो-फॉल्ट' तलाक एक सफल मॉडल साबित हुआ है।विकसित देशों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया में 'नो-फॉल्ट' तलाक ने कई सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। सबसे पहले, इसने तलाक की प्रक्रिया को काफी सरल और तेज बना दिया है। अदालती कार्यवाही कम होती है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। दूसरा, यह प्रक्रिया को कम विरोधी बनाता है। जब किसी एक पक्ष पर दोष नहीं लगाया जाता, तो कटुता और प्रतिशोध की भावना कम होती है, जिससे बच्चों के लिए बेहतर माहौल बनता है और भविष्य में सह-पालन की संभावना बढ़ जाती है। तीसरा, यह महिलाओं को सशक्त बनाता है। पारंपरिक तलाक कानूनों में अक्सर महिलाओं को अपनी स्थिति साबित करने के लिए अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ता था, लेकिन 'नो-फॉल्ट' तलाक उन्हें इस बोझ से मुक्त करता है।भारत में वर्तमान में तलाक के लिए विभिन्न आधार उपलब्ध हैं और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत आपसी सहमति से तलाक (धारा 13 बी) शामिल हैं। आपसी सहमति से तलाक 'नो-फॉल्ट' सिद्धांत के करीब है, लेकिन इसमें भी कुछ शर्तें और प्रतीक्षा अवधि शामिल है। भारत में तलाक से संबंधित मौजूदा कानून, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, अभी भी काफी हद तक 'फॉल्ट-आधारित' है। जबकि आपसी सहमति से तलाक का प्रावधान है, यह तभी संभव है जब दोनों पक्ष सहमत हों और एक निश्चित अवधि तक अलग रह चुके हों। लेकिन अगर एक पक्ष तलाक नहीं चाहता, तो दूसरे पक्ष को क्रूरता, व्यभिचार, परित्याग या मानसिक बीमारी जैसे आधारों पर दोष साबित करना पड़ता है। यह प्रक्रिया अक्सर अपमानजनक और लंबी खींचने वाली होती है, जिससे दोनों पक्षों को मानसिक और भावनात्मक आघात पहुंचता है। इस महत्वपूर्ण मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' के आधार पर है।

सीधे तलाक को मंजूरी दी।

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग।
इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार (आईएएस) नगर आयुक्त

शहीद नित्यानंद को श्रद्धांजलि

देने पहुंचीं पूर्व सांसद अंजू बाला

» शहीद नित्यानंद की बरसी में पहुंचे इलाके के सैकड़ों लोग

» सेना के अधिकारियों ने भी औपचारिकताओं के साथ किया याद

» अमर शहीद को याद कर वर्ष 2013 की स्मृतियों में खो गए लोग

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)।शहीदों की चिताओं पर लगेंगे मेले हर बरस, वतन पर मरने वालों का बाकी यही निशा होगा। इन्हीं चंद लाइनों के मकसद को पूरा करते हुए सैकड़ों लोग बुधवार को चौबेपुर स्थित शहीद स्मृति स्थल पर इकट्ठा हुए। जिसमें सेना के अधिकारियों के साथ ही साथ शहीद नित्यानंद की पत्नी और परिवार के लोग थे।

माहौल भले ही परिजनों को छोड़कर सबके लिए गमगीन न रहा हो। लेकिन एक शहीद के लिए सम्मान का जज़्बा हर किसी में नजर आया। जिसने यह तस्वीर बनाने की कोशिश जरूर की और सफल भी हुआ कि साधारण रूप से दुनियां से विदा होने और देश के लिए अपनी जान दे देने में बड़ा फर्क होता है। आम आदमी को लोग चंद वर्षों में भुला देते हैं लेकिन शहीद चिर स्मृतियों में रहता है।

उत्तराखंड में वर्ष 2013 में बादल फटने से आई प्राकृतिक आपदा में बचाव कार्य के दौरान ड्यूटी करते समय शहीद हुए एनडीआरएफ के कंपनी कमांडर नित्यानंद गुप्ता की स्मृति में उनके स्मारक स्थल पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सेना के साथ आसपास के कई सम्मानित लोग पहुंचे। मिश्रिख संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद अंजू बाला ने स्मृति स्थल पर पहुंचकर शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में शहीद नित्यानंद की पत्नी माधुरी गुप्ता, हेड कमांडर आनंद यादव, पूर्व विधायक सतीश वर्मा, मल्लावां ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला परमानंद गुप्ता, सफलता गुप्ता सच्चिदानंद गुप्ता, सोनू चौबेपुर प्रधान कल्लू यादव, नानामऊ के पूर्व जिला पंचायत सदस्य अश्विनी कटियार, अमिताभ त्रिपाठी, राजकुमार प्रधान आदि मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक सेंटर ने आयोजित किया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

» एक गेस्ट हाउस में किया गया आयोजन

» एक सैकड़ा से अधिक लोगों ने कराया परीक्षण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर आयुर्वेदिक सेंटर मुरादनगर के तत्वाधान में जी टी रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टरों की टीम ने रोगियों की जांच कर पहले 51 रोगियों को नि:शुल्क दवाएं वितरित की। सेंटर के डायरेक्टर अनुराग यादव ने बताया कि उनके सेंटर में क्वांटम थेरेपी एनालाइजर मशीन द्वारा शरीर की जांच की जाती है। इस विधि से रोगियों का उपचार करने में काफी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक विधि से इलाज की पद्धति बहुत प्राचीन है। इससे शरीर के रोगों का बिना किसी साइड इफेक्ट के इलाज होता है। जल्दी आराम के चक्कर में आम आदमी एलोपैथी पर निर्भर हो गया था। लेकिन अब आदमी की मानसिकता में थोड़ा बदलाव आया है। जिसके कारण वह अब दोबारा आयुर्वेद की ओर लौट रहा है। उन्होंने बताया कि आज हर घर में इलाज की तमाम औषधियां उपलब्ध हैं लेकिन उनका प्रयोग न जानने के कारण हम परेशान होकर डॉक्टरों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके सेंटर में कुशल चिकित्सकों द्वारा लंबे समय से बीमार चल रहे रोगियों को बहुत जल्दी लाभ मिला है।

पत्नी की प्रेमी से कराई शादी, मंदिर में कराई विदाई

» विवाह के बाद शुरू हुआ विवाद, पत्नी कई बार घर छोड़कर चली जाती थी

» पति ने पुलिस और ग्रामीणों की मौजूदगी में कराया पत्नी का पुनर्विवाह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के भग्गा निवावादा गांव निवासी योगेश तिवारी की शादी वर्ष 2010 में सोनी नाम की युवती से हुई थी, जो शाम्भी बिल्हौर की रहने वाली है। शादी के बाद से ही दोनों के बीच अनबन रहने लगी। पत्नी बिना बताए कई बार घर से बाहर चली जाती और कई-कई दिनों तक वापस नहीं आती थी। एक बेटा भी हुआ, लेकिन मतभेद बढ़ते गए। पति के टोकने पर सोनी उसे जान से मारने की धमकी तक देने लगी।

गांव में रचाई गई पत्नी की दूसरी शादी

करीब एक माह पहले सोनी अपने प्रेमी विकास, निवासी बेहटा कन्नौज के साथ घर छोड़कर चली गई और उससे विवाह कर लिया। कुछ दिन बाद वह पुनः अपने पति के घर लौट आई।

जब योगेश को इस विवाह की जानकारी मिली, तो उसने चौकी तिश्ती पुलिस को सूचना दी और ग्रामीणों को साथ लेकर गांव के ही एक मंदिर में पत्नी सोनी की शादी उसके प्रेमी विकास से धूमधाम से करवा दी।

योगेश ने अपने बेटे को भी मां के साथ विदा कर दिया। यह अनोखा और चौंकाने वाला मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

शिवलिंग पर रक्त चढ़ाने वाला युवक गिरफ्तार

» रक्त निकालकर शिवलिंग पर चढ़ाया, 22 वर्षीय युवक पर केस दर्ज

» मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को नहर पुल के पास से पकड़ा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना रूरा क्षेत्र के मण्डलेश्वर मंदिर में शिवलिंग पर रक्त चढ़ाने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल अनावरण कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने 22 वर्षीय युवक हर्षित अग्निहोत्री पुत्र राजेश अग्निहोत्री, निवासी ग्राम बचीत भरथू, थाना रूरा को गिरफ्तार किया है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर 24 जून 2025 को रूरा कस्बे के नहर पुल के पास से पकड़ा गया।

घटना 21 जून की सुबह करीब 8 बजे की है, जब आरोपी हर्षित ने ब्लेड से अपनी दाहिनी बाजू की नस काटकर निकाले गए रक्त को गांव के बाहर स्थित मंदिर के शिवलिंग पर चढ़ा दिया। इसके बाद वह गांव के एक निजी डॉक्टर से पट्टी कराकर घर लौट गया।

अगले दिन 22 जून को गांव के ही अम्बिका प्रसाद द्विवेदी पुत्र कन्नौजी लाल द्विवेदी की तहरीर पर थाना रूरा में मुकदमा संख्या 200/2025, धारा 298 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

इस मामले में उच्च अधिकारियों एडीजी जोन आलोक सिंह, डीआईजी हरीश चंद्र व एसपी अरविंद मिश्रा के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आधू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बिना संकेतक सड़क पर जानलेवा मोड़

» बल्हारामऊ–चांदपुर मार्ग पर नहीं लगे चेतावनी बोर्ड, कई जगह नाले बिना ढंके

» बरसात में धंसी सड़कें और खतरनाक मोड़ बने जानलेवा, पीडब्ल्यूडी ने झाड़ी जिम्मेदारी

क्या बोले जिम्मेदार...

पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह ने बताया, मामले की जानकारी अभी नहीं है, लेकिन यह गंभीर है। जांच कराई जाएगी और जल्द ही ठेकेदार से मरम्मत का कार्य करवाया जाएगा।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। **चौड़ीकरण के बाद बल्हारामऊ-चांदपुर-मलासा मार्ग पूरी तरह से असुरक्षित होता जा रहा है। पीडब्ल्यूडी द्वारा न तो सड़कों के किनारे किसी भी खतरनाक मोड़ पर संकेतक बोर्ड लगाए गए हैं और न ही गहरी खाई या नालों पर किसी प्रकार की बैरिकेडिंग की गई है।खासकर मलासा क्षेत्र के पास सेंगुर नदी के नजदीक एक घातक मोड़ है, जहां पहले भी कई बार वाहन फिसल चुके हैं।**

जरसेन, घार, अनंतरामपुर, गुंडा और शेरपुर जैसे गांवों में बन चुके नालों पर पटिया तक नहीं रखी गई है। इससे राहगीरों और बाइक सवारों के लिए हर मोड़ जोखिम भरा बन चुका है।

हाल ही में हुई पहली ही बरसात ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शेरपुर गांव के पास एसबीआई बैंक के सामने सड़क धंस गई है, जिससे वहां दिनभर खतरा मंडरा रहा है।इसके अलावा कई स्थानों पर पटरी की कटान और गहरे

गड्ढों ने वाहन चालकों को मुश्किल में डाल दिया है। ऐसे में हजारों वाहनों की रोजाना आवाजाही वाले इस मार्ग पर बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

पहली बार बरसात में धंसी सड़क

दबंग प्रधान के खिलाफ एसपी का एक्शन, भोगनीपुर कोतवाल को दिए सख्त निर्देश

» दर्जनभर पीड़ित पहुंचे एसपी कार्यालय, लगाए गंभीर आरोप

» एसपी ने कहा–योगीराज में गरीब–दलितों को दबाया नहीं जाएगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर गांव के दबंग ग्राम प्रधान अब्दुल अनीस से परेशान होकर गांव के करीब एक दर्जन पीड़ितों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा से मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनाई। पीड़ितों में संतोष कुमार, कैलाश, रजौली, कमल, पवन कुमार, संतोष कुमारी, रोशन, प्रेम कुमार, रामप्रकाश आदि शामिल थे। इन लोगों ने आरोप लगाया कि प्रधान कट्टर हिन्दू विरोधी रवैया रखता है, उनके मोहल्ले में कोई विकास कार्य नहीं कराता और शिकायत करने पर गाली–गलौज व मारपीट करता है। इतना ही नहीं, वह थाने में फर्जी मामलों में पीड़ितों के खिलाफ ही शिकायत दर्ज करवा देता है।एसपी अरविंद मिश्रा ने पूरे मामले

को गंभीरता से लेते हुए तत्काल भोगनीपुर कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह को निर्देश दिए कि प्रधान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और इसकी जानकारी उन्हें तुरंत दी जाए। उन्होंने कोतवाल को लाइनहाजिर कर मामले की जांच नए सिरे से शुरू करने का आदेश दिया।

एसपी ने स्पष्ट कहा कि योगीराज में कोई भी दबंग गरीब, दलित या कमजोर वर्ग के लोगों को परेशान नहीं कर सकता। उन्होंने जिलाधिकारी से भी फोन पर वार्ता कर ग्राम प्रधान को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा। एसपी मिश्रा ने भरोसा दिलाया कि पीड़ितों को न्याय हर हाल में मिलेगा।

रामनगर वन कर्मियों की मिली भगत से कट रहे हरे पेड़

परमिट की आड़ में कई गुना वृक्षों की कटान का खेल चलता रहता

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। धरा को हरा भरा बनाए रखना व पर्यावरण में संतुलन बनाने के उद्देश्य से जहां शासन व प्रशासन करोड़ों रुपए खर्च कर बृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चला रहा है। वही ठीक इसके विपरीत वन क्षेत्र कार्यालय रामनगर के जिम्मेदार अधिकारी वृक्ष कटाव अभियान चलाकर धरती को वीरान कर रहे हैं। वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय रामनगर के अंतर्गत आए दिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों व वन माफियाओं की साठगांठ से किसी न किसी गांव में आम गूलर महुआ शीशम सहित तमाम प्रतिबंधित हरे भरे पेड़ों की अवैध कटान हुआ करता है । परमिट की आड़ में वृक्षों की कटान का खेल चलता रहता है विभाग की मिली भगत से परमिट से कई गुना ज्यादा हरे भरे प्रतिबंधित पेड़ों पर लकड़ी ठेकेदार व वन माफियाओं द्वारा बेखौफ आरा चलाया जाता है छोटी मोटी कटान बगैर परमीशन के होती हैं बड़ी कटान में नाम मात्र पेड़ों का परमीशन लेकर पूरी की पूरी बाग वीरान कर दी जाती है अभी ताजा प्रकरण सज्ञान में आया कि पुलिस चौकी तिलोकपुर से चंद कदमों की दूरी पर ग्राम जलुहामऊ में प्रतिबंध आधा दर्जन से अधिक गूलर के पेड़ों की अवैध कटान की गई

इसी कड़ी में वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय से मात्र ढाई तीन किलोमीटर दूर ग्राम नहामऊ में विभाग की मिली भगत से वन माफियाओं ने एक दर्जन से अधिक आम गूलर सहित तमाम प्रजातियों के हरे-भरे पेड़ों पर आरा चलाया गया। सभी मामले सोशल मीडिया व समाचार पत्रों में सुर्खियों में आने पर हो रही फजीहत से बचने के लिए वन विभाग ने कोई कड़ी कार्रवाई न करके जुर्माना कर मामले में लीपापोती कर दी गयी। यहां तक की जिस आरा मशीन पर चोरी से काटे गए पेड़ बरामद हुए उसके खिलाफ भी आज तक कोई कार्रवाई

नही की गई। क्षेत्रीयजनों के अनुसार हरे भरे पेड़ों की अवैध कटान वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय में तैनात डिप्टी रेंजर मोहित श्रीवास्तव की मिली भगत से होती है। पूर्व में कई वर्षों तक वन रेंज कार्यालय रामनगर में तैनात रह चुके हैं। जिससे इस क्षेत्र के लकड़ी ठेकेदारो व वन माफियाओं से इनके बहुत मधुर संबंध हैं यदि उच्चाधिकारियो द्वारा ईमानदारी से जांच करवाई जाए तो सच्चाई उजागर हो सकती है। इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी अल्पना पांडे का कहना है कि जहां भी अवैध कटान होती है जानकारी मिलने पर कार्यवाही अवश्य की जाती है मेरे संज्ञान में है कि अवैध कटान में विभाग के लोगों की भी मिली भगत रहती है उनके विरुद्ध जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य का सदर तहसील में जमकर हंगामा

» कहा कि आदेश स्टे होने के बावजूद खतौनी में उसका आर्डर नहीं चढ़ाया जा रहा है

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। फर्जी पावर ऑफ अटार्नी बनाकर तीन बीघा जमीन हड़पने के मामले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने सदर तहसील में जमकर हंगामा किया। एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय के बाहर मनमानी पर आक्रोश जताया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि आदेश स्टे होने के बावजूद खतौनी में उसका आर्डर नहीं चढ़ाया जा रहा है। उसे बार-बार टरकाया जा रहा है। तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी ने बताया कि युवती आई थी। उसका दाखिल खारिज संबंधित प्रकरण है। उसे जांच कराकर जरूरी कार्रवाई की जाएगी?

कल्याणपुर बारासिरोही निवासी अंजू गौतम पूर्व जिला पंचायत सदस्य है। अंजू ने तहसील में मनमानी और लापरवाही से काम करने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। इससे सदर तहसील में काफी मजमा लग गया। सभी कर्मचारी काम बंद करके बाहर आ गए। अंजू ने आरोप लगाया कि उसके माता-पिता की तीन बीघा जमीन है। 2006 में फर्जी पावर ऑफ अटार्नी बनाकर उसकी जमीन को हथियाने का प्रयास किया गया। 2011 में फर्जी तरीके से बैनामा हो गया। 2020 में माता और पिता की मृत्यु के बाद 2021 में दाखिल खारिज करके नामांतरण भी फर्जी तरीके से कर दिया गया। माता-पिता का नाम हटाकर अपना नाम दर्ज करा लिया गया। चार साल से चक्कर लगाने के बाद डीएम के आदेश पर किए गए फर्जी आदेश को पूर्व तहसीलदार ने स्टे कर दिया था। अब खतौनी में माता पिता व उसका नाम समेत पूरा आर्डर चढ़ने के लिए चक्कर लगवाया जा रहा है। जानबूझकर तहसील के कर्मचारी भटका रहे है।

एनसीबी टीम ने आटा चक्की में की छापेमारी

जैदपुर कोतवाली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही, गांव में तरह-तरह की चर्चा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जैदपुर थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में मंगलवार शाम लखनऊ से आई एनसीबी की टीम ने छापेमारी की।

टीम ने गांव की एक चक्की पर तलाशी अभियान चलाया। जैदपुर कोतवाली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही।

छापेमारी के दौरान चक्की से एक संदिग्ध बोरा बरामद हुआ। कार्रवाई के दौरान किसी को मौके पर जाने की अनुमति नहीं दी गई। टीम शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक चक्की में जांच करती रही। जांच के बाद टीम दो नाबालिगों समेत पांच लोगों को पूछताछ के लिए जैदपुर कोतवाली ले गई। मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक इस कार्रवाई पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया।

छापेमारी के कारण की पुष्टि नहीं

स्थानीय सूत्रों के अनुसार एक ग्रामीण ने कार्रवाई का वीडियो बनाया। वीडियो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुआ है। इसमें भारी पुलिस बल और कुछ पुलिस कर्मी चक्की परिसर में जांच करते दिख रहे हैं। छापेमारी का कारण और बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

(रमाकांत का रजिस्ट्री राज)

फर्जी दस्तावेज़ों से हड़पी 40 करोड़ की सरकारी ज़मीन

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राम की नगरी अयोध्या में एक बड़ा ज़मीन घोटाला सामने आया है। रमाकांत नाम के एक व्यक्ति ने कूटरचित दस्तावेज़ों के दम पर लगभग एक हेक्टेयर यानी 40 करोड़ रुपए की बंजर सरकारी ज़मीन का फर्जी बैनामा करवा लिया। जब ज़िला प्रशासन की नींद टूटी तो पूरे महकमे में हड़कंप मच गया।

- **बाग बिजासी का बनावटी बादशाह, बन गया बंजर का मालिक**
- **अयोध्या में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और सरकारी मिलीभगत का खुलासा**
- **राजस्व विभाग की नींद अब टूटी, एसडीएम बोले - जांच के घेरे में हैं विभागीय अफसर**

आरोपी रमाकांत ने खुद को बाग बिजासी (कोतवाली अयोध्या) का निवासी बताया, और चार अलग-अलग प्लॉट में फैली सरकारी भूमि पर दस्तावेज़ी कब्ज़ा कर लिया।

जांच के बाद खुलासा हुआ कि पूरा बैनामा ही फर्जी और कूटरचित था, जिसके बाद राजस्व परिषद ने तुरंत बैनामा निरस्त कर दिया और कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई।

एसडीएम सदर राम प्रकाश तिवारी के अनुसार, भूमि की बाजारू कीमत करीब 40 करोड़ रुपए है और मामले की तहकीकात तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह को सौंपी गई है। दस्तावेजों की पड़ताल में राजस्व निरीक्षक सुभाष चंद्र मिश्र और रवि प्रकाश श्रीवास्तव की संलिप्तता भी उजागर हुई है। इन दोनों पर जल्द बड़ी कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल रमाकांत फरार है। उसका सही पता तक प्रशासन को नहीं मालूम। ज़िला प्रशासन अब जमीन खरीद-बिक्री से जुड़े रजिस्ट्री कार्यालयों और बिचौलियों से इनपुट जुटा रहा है। सवाल ये भी उठ रहा है कि ऐसा फर्जीवाड़ा अधिकारियों की मिलीभगत के बिना मुमकिन ही नहीं था।

ऐसा कोई पहला मामला नहीं- अयोध्या में इससे पहले भी जमीन के कागजों में हेराफेरी कर चार बीघा भूमि को 600 बीघा दिखाने जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। स्वराज इंडिया का सवाल है कि ज़मीन भगवान की... और मुनाफ़ा माफिया का? क्या सिर्फ रमाकांत ही दोषी है या पूरा तंत्र दलाल बन चुका है? अयोध्या एसडीएम

यूपी में पुलिसकर्मियों को मिल सकेगा साप्ताहिक अवकाश - डीजीपी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा है कि पुलिसकर्मियों को अब साप्ताहिक अवकाश मिल सकेगा क्योंकि विभाग को बड़ी संख्या में आरक्षी मिले हैं। फोर्स की कमी के चलते अभी तक पुलिस के वेलफेयर पर कोई काम नहीं हो पा रहा था। इस व्यवस्था से पुलिसकर्मी पूरे मनोयोग से अपराध नियंत्रण पर कार्य कर सकेंगे।काफी समय से पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश दिए जाने का मामला अभी तक अधर में है, पुलिसकर्मियों को यह सुविधा जल्द ही उपलब्ध होगी। क्योंकि अभी विभाग को बहुत सारे आरक्षी उपलब्ध हो चुके हैं। ऐसे में अब पुलिस के वेलफेयर पर कार्य होगा। ताकि पुलिसकर्मी पूरे मनोयोग से डटकर अपराध और अपराधियों पर कार्रवाई कर सकें। सुलतानपुर आने और बैठक करने के बारे में उन्होंने बताया कि वाराणसी में गृहमंत्री, मुख्यमंत्री सहित अन्य के साथ बैठक थी। इस कार्यक्रम से वापस आते समय रास्ते में पड़ने वाले जिले के मुख्यालय पर रुककर वहां की कानून-व्यवस्था की जानकारी की जा रही है.....

परिवहन विभाग बना वसूली विभाग! बिना दलाल के नहीं हो रहा है जनता कोई काम

»अयोध्या आरटीओ- वर्दी का रौब, जुबान का जोर

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या के सम्भागीय परिवहन विभाग की कलई सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने खोल दी है। वीडियो में एक बोलेरो पर सवार दो लोग खुद को अधिकारी बताकर सड़कों पर वाहनों की चेकिंग करते नज़र आ रहे हैं। लेकिन असली खेल इसके पीछे है - ये लोग न तो अधिकारी हैं, न ही इनके पास कार्रवाई का अधिकार, पर चालान ऐसे काट रहे हैं जैसे खुद विभाग इन्हें ठेका दे चुका हो!

वीडियो में साफ देखा जा सकता है एक युवक ड्राइवर से सवाल-जवाब कर रहा है, और दूसरा चालान की नकल तैयार कर रहा है। ये दोनों युवक हैं प्रदीप और रोशन, जो परिवहन निरीक्षक रानी सेंगर की एलॉटेड बोलेरो से ये कारनामा कर रहे हैं। सूत्रों का दावा ये कोई पहली बार नहीं है। इस बोलेरो पर अक्सर प्राइवेट गुंडे उतरते हैं और वसूली का काम करते हैं। आरोप है कि पीटीओ रानी सेंगर के इशारे पर इनसे अवैध वसूली कराई जाती है।

सवाल ये भी है कि -

-क्या विभागीय गाड़ियां अब 'ठगी मिशन' पर चल रही हैं?

-क्या सरकारी वर्दी में अब दलाल उतर रहे हैं?

विभाग की लीपापोती शुरू

विश्वजीत प्रताप सिंह आरटीओ प्रवर्तन अयोध्या

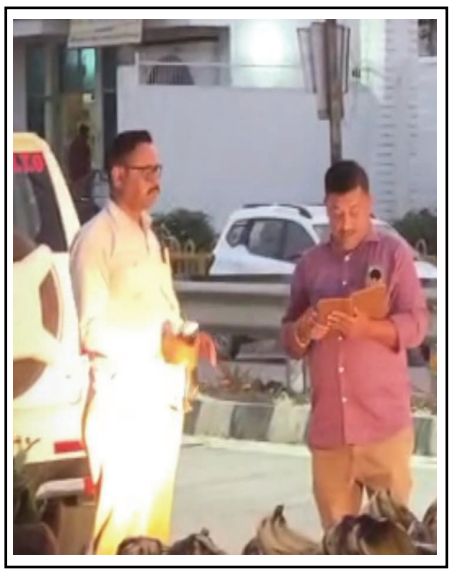

जब मामला सोशल मीडिया पर तूल पकड़ने लगा तो परावर्तन आरटीओ प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह ने बयान दिया - गाड़ी यात्री कर निरीक्षक रानी सेंगर को एलॉट है। उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा, और आगे की कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा। स्वराज इंडिया कहता है ये मामला सिर्फ एक वीडियो का नहीं, एक सिस्टम की सड़ांध का है। अब जवाब सोशल मीडिया पर नहीं, कार्रवाई की फाइल में चाहिए।

लगातार गायब रहने वाले शिक्षामित्रों की संविदा होगी समाप्त

- **यूपी में करीब 1550 शिक्षामित्रों की संविदा समाप्त करने की प्रक्रिया चल रही**
- **अवैतनिक अवकाश के सहारे जिन्दा कर रहे थे नौकरी**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्रों पर एक बार फिर से बड़ी प्रशासनिक कार्यवाही होने जा रही है।लगातार गायब रहने वाले शिक्षामित्रों की संविदा समाप्त हो सकती है। राज्य में करीब 1550 शिक्षामित्रों की संविदा समाप्त करने की प्रक्रिया गतिमान है।

इन सभी पर आरोप है कि वे बिना कारण अवैतनिक अवकाश पर रहकर स्कूल से गैरहाजिर थे और निजी कार्यों में संलिप्त पाए गए हैं।

ये ऐसे शिक्षामित्र हैं जो अवैतनिक अवकाश के सहारे नौकरी चला रहे हैं जो स्कूल न जाकर दूसरे कामों में संलिप्त हैं। उत्तर प्रदेश में महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बड़ी कार्यवाही करते हुए शिक्षामित्रों की संविदा समाप्त करने की बात कही है।

महानिदेशक कंचन वर्मा ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के जितने भी शिक्षामित्र हैं जो अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं, उनके खिलाफ तत्काल चिन्हित कर फौरन नोटिस भेजने का काम किया जाए।

उनके खिलाफ जांच भी हो और अगर जांच में सत्यता पाई जाती है तो 5 दिनों के अंदर बीएसए द्वारा उनकी संविदा समाप्त करने की कार्यवाही की जाए।

बता दें शिक्षामित्रों की संविदा कुछ नियमों और शर्तों पर आधारित होती है। यदि कोई शिक्षामित्र उन नियमों और शर्तों का उल्लंघन करता है तो उसकी संविदा समाप्त की जा सकती है। लगातार अनुपस्थित रहना एक ऐसा उल्लंघन है जिसके कारण संविदा समाप्त की जा सकती है। उदाहरण के लिए यदि किसी शिक्षामित्र को बिना किसी सूचना या उचित कारण के लगातार कई दिनों तक अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है जिसमें संविदा समाप्ति भी शामिल है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शिक्षामित्रों की संविदा समाप्ति का निर्णय एक प्रक्रिया के तहत किया जाता है जिसमें संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच और सुनवाई शामिल होती है हालांकि लगातार अनुपस्थित रहने जैसे उल्लंघन के मामले में संविदा समाप्ति का निर्णय लिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को लगाई कड़ी फटकार

जमानत आदेश के बावजूद 28 दिन तक कैदी को रिहा न करने पर 5 लाख मुआवजा देने का आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को गाजियाबाद जेल से एक कैदी को जमानत आदेश पारित होने के बावजूद रिहा न करने के लिए कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एनके सिंह की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश राज्य को जमानत आदेश और रिहाई आदेश में उप-धारा की लिपिकीय चूक के कारण 28 दिनों के लिए रिहाई से वंचित किए गए आरोपी को 5 लाख रुपए अंतरिम मुआवजा देने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा कि जब मामले और अपराधों का विवरण जमानत आदेश से स्पष्ट है तो बेकार तकनीकी और अप्रासंगिक त्रुटियों के आधार पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता से इनकार नहीं किया जा सकता।

गाजियाबाद जेल के जेल अधीक्षक अदालत के समक्ष फिजिकल रूप से उपस्थित थे और यूपी डीआईजी (जेल) कल अदालत द्वारा पारित निर्देश के अनुसार वस्तुतः उपस्थित हुए। खंडपीठ को शुरुआत में बताया गया कि कैदी को कल शाम रिहा कर दिया गया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उसकी निरंतर हिरासत पर ध्यान दिया था।

आवेदक को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 और यूपी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम 2021 की धारा 3/5(आई) के तहत अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। जेल अधिकारियों ने इस तथ्य पर जोर दिया कि जमानत आदेश में धारा 5(आई) के बजाय केवल धारा 5 का उल्लेख किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, उन्होंने जमानत आदेश में संशोधन की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया। खंडपीठ ने यूपी की एडिशनल एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद द्वारा दिए गए औचित्य को स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि कैदी को इसलिए रिहा नहीं किया गया, क्योंकि जमानत आदेश में एक विशेष प्रावधान का उल्लेख नहीं किया गया था। खंडपीठ ने कहा कि मामला इतना सरल नहीं लगता और इसके अन्य कारण भी होने चाहिए। जस्टिस विश्वनाथन ने पूछा, क्या उप-धारा का उल्लेख नहीं किया जाना हमारे जेलों में काम करने वाले अधिकारियों के लिए वैध आधार नहीं है?

आदेश के सार पर गौर करना चाहिए

खंडपीठ ने कहा कि आदेश के सार पर गौर किया जाना चाहिए तथा अधिकारियों को ÷छोटी-मोटी और अप्रासंगिक त्रुटियों पर ध्यान नहीं देना चाहिए तथा इस बहाने व्यक्तियों की स्वतंत्रता को नकारना चाहिए। जस्टिस विश्वनाथन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यदि आप इस कारण से लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम क्या संदेश दे रहे हैं? जस्टिस विश्वनाथन ने यूपी डीआईजी से पूछा, क्या गारंटी है कि इस कारण से कई अन्य लोग जेल में नहीं हैं? अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आप क्या करने का प्रस्ताव रखते हैं? अधिकारी ने खंडपीठ को आश्वासन दिया कि जेल अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे तथा ऐसी घटनाएं कभी नहीं होंगी। इस आश्वासन को आदेश में दर्ज किया गया।

आदेश का पालन करना आपका प्राथमिक कर्तव्य

जस्टिस विश्वनाथन ने अधिकारी से कहा, न्यायालय के आदेश का पालन करना आपका प्राथमिक कर्तव्य है, चाहे वह सही हो या गलत। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक निर्णय पर भरोसा करके अधिकारियों का बचाव करने के लिए यूपी एएजी द्वारा किया गया प्रयास, जिसके अनुसार विवरणों की पुष्टि करने के बाद ही रिहाई के आदेश जारी किए जाने चाहिए - खंडपीठ के पक्ष में नहीं आया। खंडपीठ ने बताया कि हाईकोर्ट का निर्णय जाली आदेशों के मुद्दे से निपट रहा था, जबकि वर्तमान मामले में अधिकारियों को आदेश को समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि चूक केवल लिपिकीय थी। जस्टिस विश्वनाथन ने एएजी को चेतावनी देते हुए कहा, यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रति आपका यही रवैया है तो हम लागत को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर देंगे। खंडपीठ ने चूक की न्यायिक जांच के आदेश दिए यूपी डीआईजी ने यह भी बताया कि विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

कांवड़ यात्रा को लेकर योगी सरकार सख्त

तेज-फूहड़ गाने बजे तो चलेगा कार्रवाई का हंटर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुछ दिनों के बाद ही कावड़ यात्रा शुरू हो जाएगी, जिसमें लाखो की संख्या में श्रद्धालु बम बम के जयकारों के भगवान शिव शंभू का जलाभिषेक करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाएंगे। इसके लिए सरकार और स्वयं सेवी संस्थाए सड़कों पर भोजन और पेय जल की व्यवस्था करती है। वहीं इस बार सरकार ने सभी कावड़ यात्रियों के लिए नियम और शर्तें रखी है, जिसके मानक को उन्हें पालन करना ही होगा।

क्या है नियम?

- कावड़ यात्रा के दौरान किसी धार्मिक विषयवस्तु को लेकर छींटाकशी नहीं होनी चाहिए
- तेज आवाज में संगीत बजाने पर मनाही है
- फूहड़ और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गीतों पर प्रतिबंध रहेगा
- अलग-अलग रूट पर पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित होगी
- इन नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करवाने के लिए सभी सम्बंधित रूट के थानों को निर्देश दिया है, किसी के द्वारा इनका उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर यात्रा के दौरान और यात्रा के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राजा हत्याकांड

आरोपियों के अपराध स्वीकार करने के बाद अब नहीं कराया जाएगा नार्को टेस्ट

हां.. हमें मोहब्बत है : सोनम और राज ने स्वीकारी अपने अफेयर की बात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में बड़ी खबर सामने आई है। राजा हत्याकांड में गिरफ्तार पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने पहली बार अपने रिश्ते की बात कबूल की है। मेघालय पुलिस की पूछताछ में दोनों ने अपने रिश्ते को स्वीकार कर लिया है। इसी के साथ ही अब इन दोनों का नार्को टेस्ट नहीं होगा।

पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने बताया कि जांच के दौरान राज और सोनम दोनों ने रिश्ते में होने की बात स्वीकार की है। उन्होंने पहले ही अपराध स्वीकार कर लिया है। हमारे पास सबूत है। मुझे नहीं लगता कि हमें इस स्तर पर (नैरो एनालिसिस टेस्ट)करना चाहिए। दोनों के अपराध स्वीकार करने पर अब पुलिस ने नार्को टेस्ट नहीं कराने का फैसला लिया है। पुलिस ने कहा कि नार्को परीक्षण आमतौर पर तब किया जाता है जब कोई सबूत नहीं होता है और नार्को विश्लेषण पर वास्तव में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिबंध लगा रखा है। मामले को सावधानीपूर्वक सुलझाया जा रहा है और केवल इकबालिया बयानों पर निर्भर रहने के बजाय मजबूत, स्वीकार्य साक्ष्य तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य जल्द कानूनी रूप से टिकाऊ आरोपपत्र तैयार करना है। गिरफ्तार आरोपियों को गुरुवार को अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। मेघालय पुलिस अब लोकेंद्र तोमर को पूछताछ के लिए लाने की कोशिश कर रही है, जो एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के मालिक और इंदौर में एक फ्लैट के मालिक है। सोनम रघुवंशी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार होने से पहले कुछ समय के लिए फ्लैट में रुकी थी।

पुलिस जानकारी जुटा रही है कि सोनम द्वारा छोड़ा गया बैग क्यों हटाया गया। बैग में कथित तौर पर एक देसी पिस्तौल, उसका फोन, गहने और 5 लाख रुपये नकद थे और पुलिस को संदेह है कि इसे तोमर या प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स ने हटाया था।